मिथिला लोकसंगीत

एकवर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

सैद्धान्तिक (एक पत्र) – 75 अंक

प्रायोगिक (एक पत्र) – 100 अंक

परियोजना/प्रषिक्षण/क्षेत्र भ्रमण कार्य रिपोर्ट – 25 अंक

कुल अंक –200 अंक

प्रथम पत्र :

सैद्धांतिक ..... 75 अंक

1. लोकसंगीत का परिचय
2. लोकगीत, लोकनृत्य एवं लोकवाद्य का वर्गीकरण
3. धार्मिक लोकगीत, संस्कार गीत, ऋतुगीत का सामान्य परिचय
4. लोकसंगीत में प्रयुक्त होने वाले तालों का परिचय
5. मिथिला के प्रमुख लोक कलाकारों का परिचय
6. सामा–चकेवा, जट–जटिन, झिझिया लोकनृत्य का सामान्य परिचय
7. लोकवाद्यों का सामान्य परिचय
8. विद्यापति के गीत का सामान्य परिचय
9. विद्यापति गीत का लोक एवं शास्त्रीय स्वरूप

द्वितीय पत्रः

प्रायोगिक – 100 अंक

1. सातों स्वर का गायन
2. आरोह–अवरोह का ज्ञान
3. राग काफी, यमन भैरवी, देश का छोटा ख्याल
4. नचारी, महेशवाणी, भगवती गीत का गायन
5. सोहर, विवाह गीत, समदाउन का गायन
6. होरी, चैती, कजरी बारहमासा का गायन
7. सामा चकेवा, जट, जटिन, झिझिया नृत्य के गीतों का गायन एवं नृत्य करना
8. नाल एवं ढोलक पर कहरवा, दादरा, रूपक, ताल बजाने का सामान्य ज्ञान
9. लोकशैली/पारंपरिक शैली में विद्यापति गीत का गायन

परियोजना/प्रषिक्षण/क्षेत्र भ्रमण कार्य रिपोर्ट..... 25 अंक

सहायक पुस्तकें:

1. मैथिली लोकगीतों का अध्ययन– डॉ0 तेजनारायण लाल
2. मिथिला की लोकगाथाएं संगीत की दृष्टि में – डॉ0 पुष्पम नारायण

3. गीतनाद – विभूति आनंद/ज्योत्सना आनंद
4. चन्द्र पद्यावली में संगीत विधान – डॉ0 पुष्पम नारायण
5. विद्यापति पदावली – महामहोपाध्याय बालकृष्ण झा
6. विद्यापति के गीत – नागार्जुन
7. विद्यापति पदावली – रामवृक्ष बेनीपुरी
8. मिथिला में संगीत का विकास – डॉ0 पुष्पम नारायण
9. भैरवी संगीत शोध पत्रिका – स्नातकोत्तर संगीत एवं नाट्य विभाग